UNIVERSITY NEWS 05 APRIL 2026

AMAR UJALA

आधुनिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली को करें शामिल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर की ओर से आयोजित छह दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का शनिवार को समापन हो गया। आखिरी दिन लविवि के लोक प्रशासन विभाग के सभागार में दो महत्वपूर्ण सत्र हुए। पहले सत्र में शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली डिवीजन की कोऑर्डिनेटर डॉ. रुचिका सिंह ने पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को व्यावहारिक रूप से अपनाने को लेकर चर्चा की। दूसरा सत्र आदिवासी ज्ञान के संरक्षण को लेकर हुआ। इसमें जेएनयू के पूर्व प्रोफेसर कौशल कुमार शर्मा ने न्यू एजुकेशन पॉलिसी और सतत विकास लक्ष्यों की मजबूती पर जोर दिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

प्रबंधक पद के लिए आनंद को मान्यता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से डीएवी डिग्री कॉलेज लखनऊ के प्रबंधक पद के लिए आनंद मोहन तिवारी को विधिवत मान्यता दी गई है। यह मान्यता विश्वविद्यालय के निर्गत आदेश के अनुसार प्रभावी है। यह जानकारी कॉलेज एवं अन्य शिक्षण संस्थानों को भी जारी किया गया है। (संवाद)

AMAR UJALA

भूकंप के खतरे वाले क्षेत्रों की पहचान आसान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की भौतिकी सोसाइटी की ओर से शनिवार को भूकंप की पहचान के लिए सक्रिय भ्रंशों की सूक्ष्म भूकंपीय संवेदक-आधारित निगरानी विषयक व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण शिलांग के भूभौतिकीविद् मयंक शुक्ला ने सरल भाषा में आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। नई सूक्ष्म भूकंपीय तकनीकों की मदद से भूकंप के खतरे वाले क्षेत्रों की पहचान पहले से बेहतर तरीके से की जा सकती है। (संवाद)

विद्यार्थियों ने जाना कैसे काम करता है हेल्थ सेंटर

लखनऊ। लखनऊ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज डी-फार्मा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने अलीगंज स्थित अर्बन कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का शैक्षिक भ्रमण किया। इसका उद्देश्य छात्रों को सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यावहारिक जानकारी देना था। इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी और कोऑर्डिनेटर डॉ. सौम्या सिंह मौजूद रहीं। (संवाद)

HINDUSTAN

सूक्ष्म तकनीकों से भूकंप क्षेत्रों की पहचान आसान

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की भौतिकी सोसायटी की ओर से शनिवार को भूकंप की पहचान हेतु सक्रिय भ्रंशों की सूक्ष्म भूकंपीय संवेदक-आधारित निगरानी विषयक व्याख्यान आयोजित हुआ। मुख्य वक्ता भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण शिलांग के भूभौतिकीविद् मयंक शुक्ला ने सरल भाषा में आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी।

एलयू में मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय स्थित जस्टिस डॉ. एएस आनंद मूट कोर्ट हॉल में एलयू मूट कोर्ट एसोसिएशन की ओर से 12वीं अंतर-महाविद्यालयीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. सीपी सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रो. डीएनएनएस यादव और प्रो. अशोक कुमार सोनकर रहे। प्रतियोगिता के पहले दिन ट्रॉफी अनावरण, रिसर्चर टेस्ट आयोजन हुए।

HINDUSTAN

छात्रों को दी स्वास्थ्य सेवा की जानकारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल साइंसेज़ के डीफार्मा प्रथम वर्ष के छात्रों ने शनिवार को अलीगंज स्थित अर्बन कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों ने ओपीडी सेवाओं, रोगी पंजीकरण, टीकाकरण, दवा वितरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को समझा। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मोइन अहमद ने बच्चों के सामान्य रोगों व टीकाकरण पर जानकारी दी। स्वास्थ्य कर्मियों ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से भी अवगत कराया। विद्यार्थियों को कई अहम जानकारियां मिलीं।

HINDUSTAN

'हीरो' से मानसिक संतुलन होगा बेहतर

शोध

ये प्रमुख निष्कर्ष सामने आए

- सोशल डिस्टेंसिंग से लोगों में बढ़ा अकेलापन और चिंता
- पॉजिटिव साइकोलॉजिकल कैपिटल से मानसिक मजबूती
- हीरो: होप, एफिकेसी, रेजिलिएंस, ऑप्टिमिज्म अहम
- योग और माइंडफुलनेस से मानसिक स्वास्थ्य में सुधार

लखनऊ, संवाददाता। कोविड़-19 महामारी के दौरान संक्रमण से बचाव के लिए अपनाई गई सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी थी, लेकिन इसका असर लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ा। यह तथ्य लखनऊ विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार द्विवेदी के शोध में सामने आए हैं। जिसे जर्नल ऑफ फैमिली मेडिसिन एंड प्राइमरी केयर में प्रकाशित किया गया है, जो वेब ऑफ साइंस में इंडेक्स्ड है। शोध में 246 लोगों को शामिल किया गया, जो विभिन्न पेशेवर और शैक्षणिक क्षेत्रों से जुड़े थे। अध्ययन में पाया गया कि सोशल डिस्टेंसिंग के कारण लोगों में अकेलापन और चिंता बढ़ी, जिससे मानसिक संतुलन प्रभावित हुआ। हालांकि, जिन लोगों में 'पॉजिटिव साइकोलॉजिकल कैपिटल' अधिक था, वे इस चुनौती का बेहतर तरीके से सामना कर सके।

शोध के अनुसार, 'होप, एफिकेसी, रेजिलिएंस और ऑप्टिमिज्म' जैसे गुण मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। योग और माइंडफुलनेस गतिविधियां गुणों को और सशक्त बनाती हैं।

AMRIT VICHAR

डीफार्मा छात्रों ने अर्बन कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का किया भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी के मार्गदर्शन में इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज़ के डीफार्मा प्रथम वर्ष के छात्रों ने शनिवार को अलीगंज स्थित अर्बन कम्युनिटी हेल्थ सेंटर का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य भावी फार्मासिस्टों को सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से रूबरू कराना था। भ्रमण के दौरान छात्रों ने ओपीडी सेवाओं, रोगी पंजीकरण, दवा वितरण प्रणाली और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से अवलोकन किया। छात्रों ने बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मोइन अहमद से संवाद किया, जिन्होंने टीकाकरण के महत्व और बच्चों में होने वाले सामान्य रोगों के प्रबंधन पर बहुमूल्य जानकारी साझा की। संस्थान के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण की कमान कोऑर्डिनेटर डॉ. सौम्या सिंह और सहला परवीन ने संभाली। छात्रों के अनुसार, इस अनुभव से उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान को धरातल पर समझने का अवसर मिला।

सूक्ष्म भूकंपीय सेंसर तकनीक से होगी भूकंप की सटीक पहचान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की 'भौतिकी सोसायटी' द्वारा भूकंप की पहचान हेतु सक्रिय भ्रंशों की सूक्ष्म भूकंपीय संवेदक आधारित निगरानी विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (शिलांग) के भूभौतिकीविद् और विश्वविद्यालय के शोधार्थी मयंक शुक्ला ने अपना प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि कैसे आधुनिक 'माइक्रो-सीस्मिक सेंसिंग' (सूक्ष्म भूकंपीय संवेदन) तकनीकों का उपयोग करके सक्रिय भ्रंश क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है। कार्यक्रम का आयोजन भौतिकी सोसायटी की समन्वयक प्रो. लीना सिन्हा तथा सह-समन्वयक प्रो. ज्योत्सना सिंह के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रकार के तकनीकी व्याख्यान भविष्य के शोधार्थियों को भूकंपीय खतरों को समझने और उनके समाधान खोजने की दिशा में नई दृष्टि प्रदान करते हैं।